# पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज

## (भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

## संविधान दिवस का आयोजन

हमारे देश में भारतीय संविधान दिवस प्रत्येक वर्ष 26 नवम्बर को मनाया जाता है। इसी क्रम में पारि - पुर्नस्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा दिनांक 26.11.2022 को संविधान दिवस के शुभ अवसर पर केन्द्र प्रमुख डॉ० संजय सिंह द्वारा केन्द्र के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ विभिन्न शोधछात्रों आदि को संविधान के प्रति दृढ़ संकल्पित , निष्ठावान तथा समर्पित रहने की शपथ दिलवाई

गई । डॉ० सिंह ने बताया कि भारतीय संविधान 2 वर्ष 11 माह 18 दिनों में तैयार होकर लगभग 1,17,360 शब्दों के साथ दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान माना गया। भारतीय संविधान को लचीलेपन और कड़कता का संतुलित उदाहरण भी माना जाता है, जिसमें नागरिकों के हित में किसी बदलाव को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यक्रम में भारतीय संविधान के इतिहास से संबन्धित जानकारी दी गयी, तत्पश्चात सभी के द्वारा मिलकर संविधान की उद्देशिका का पाठ किया गया। उद्देशिका संविधान का सार मानी जाती है उसके लक्ष्य प्रकट करती है , संविधान का दर्शन भी इसके माध्यम से प्रकट होता है।संविधान किन आदर्शों, आकांक्षाओं को प्रकट करता है, इसका निर्धारण भी उद्देशिका से हो जाता है।

आयोजन में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 अनीता तोमर, डॉ0 कुमुद दुबे, आलोक यादव तथा डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, डॉ0 एस0 डी0 शुक्ला, रतन कुमार गुप्ता, हरीश कुमार, अवर श्रेणी लिपिक, अम्बूज कुमार, कनिष्ठ श्रेणी लिपिक व बहुकार्य कर्मी अशोक कुमार सिंह के साथ विभिन्न शोध छात्र - छात्रा आदि उपस्थित रहे।